मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

# MVS–003

## एम. ए. (वैदिक अध्ययन)

## (एम. ए. वी. एस.)

## सत्रांत परीक्षा

## दिसम्बर, 2025

## एम.वी.एस.-003 : आरण्यक एवं उपनिषद्

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है।*

*(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

*(iii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

### खण्ड—क

***नोट :*** *निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. तैत्तिरीयोपनिषद् की विषय-वस्तु का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।
2. 'ईशावास्योपनिषद्' का प्रतिपाद्य लिखिए।
3. पठित अंश के आधार पर प्राणविद्या का उल्लेख कीजिए।

4. ऐतरेय उपनिषद् का प्रतिपाद्य लिखिए।

5. प्रश्नोपनिषद् की विषय-वस्तु का विस्तृत वर्णन कीजिए।

6. यम-नचिकेता संवाद का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

7. मुण्डकोपनिषद् की शिक्षाओं का वर्णन कीजिए।

8. बृहदारण्यकोपनिषद् के वर्ण्य-विषय का उल्लेख कीजिए।

## खण्ड—ख

***नोट :*** *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. पठित अंश के आधार पर सूर्योपासना का वर्णन कीजिए।

2. नारद-सनत्कुमार संवाद का वर्णन कीजिए।

3. छान्दोग्योपनिषद् के तृतीय अध्याय का परिचय लिखिए।

4. केनोपनिषद् की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।

5. मैत्रेयी-याज्ञवल्क्य संवाद का वर्णन कीजिए।

6. तैत्तिरीयोपनिषद् की शिक्षावल्ली का वर्णन कीजिए।

7. प्रश्नोपनिषद् के प्रथम प्रश्न के तथ्यों का वर्णन कीजिए।

8. नचिकेता द्वारा माँगे गए तीन वरों का वर्णन कीजिए।

× × × × ×